प्रारम्भ

वर्ष–23, अंक: अप्रेल 2019–मार्च 2020

सिकोईडिकोन परिवार की पत्रिका

cecoedecon

ChildFund
India
cecoedecon
Story Telling Workshops for the

सीख, समझ और खेलकूद के साथ मनाया युवा सम्मेलन

युवा मण्डल के सदस्यों द्वारा 5–6 अगस्त, 2019 को सिकोईडिकोन के शीलकी डूंगरी परिसर में युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। युवा सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं की संगठन निर्माण के विविध पक्षों पर समझ विकसित करते हुए उन्हें स्थानीय विकास हेतु 'बदलाव के वाहक' के रूप में तैयार करना था।

दो दिवसीय इस कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के माध्यम से युवाओं को संगठन के महत्व, स्थानीय विकास में युवाओं की भूमिका व विकास की प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर 'जलवायु संकट व उसका सामना करने की तैयारी' पर देश के जाने–माने विशेषज्ञ श्री सौम्या दत्ता के नेतृत्व में 'क्लाइमेट शाला' का आयोजन किया गया, जिसमें जलवायु परिवर्तन के विविध आयामों व प्रभावों पर चर्चा की गई।

युवा सम्मेलन के दौरान खेलकूद प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ जिसमें युवाओं ने बढ़–चढ़कर भागीदारी की। कार्यक्रम में चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद के करीब 150 युवा साथियों ने शिरकत की।

सतत् विकास लक्ष्यों पर स्वयंसेवी संस्थाओं की कार्यशाला

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वैश्विक स्तर पर घोषित सतत् विकास लक्ष्यों पर स्वयंसेवी संस्थाओं की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सिकोईडिकोन के सीतापुरा स्थित स्वराज़ परिसर में 21–22 जून को किया गया। इस कार्यशाला में सतत् विकास लक्ष्यों की प्रक्रिया, मॉनिटरिंग व स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका पर विभिन्न सत्रों में चर्चा की गई।

कार्यशाला में डॉ. शिप्रा माथुर ने महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में सतत् विकास लक्ष्यों पर अपने विचार रखे। श्रीमती अपर्णा

सहाय ने स्वास्थ्य, शिक्षा व पोषण पर बात रखते हुए सतत विकास लक्ष्यों को पंचायतों की वार्षिक योजना से जोड़ने पर बल दिया। श्री मनीष सिंह ने खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में सतत विकास लक्ष्यों पर अपने विचार रखे। कार्यशाला में विशेष सत्र के दौरान श्री अज़य झा (निदेशक, पैरवी) ने सतत् विकास लक्ष्यों पर वैश्विक व राष्ट्रीय स्तर की प्रगति पर प्रस्तुति देते हुए बताया कि सतत् विकास लक्ष्य एक महत्वपूर्ण औजार है, जिसके माध्यम से सरकारों को ज़वाबदेह बनाया जा सकता है।

कार्यशाला में शामिल विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने राजस्थान के संदर्भ में विकास लक्ष्यों को चिन्हित किया व उन पर कार्य करने हेतु कार्य योजना तैयार की।

शाहबाद में कौशल विकास केन्द्र की स्थापना

शाहबाद में जापान दूतावास के आर्थिक सहयोग से एक कौशल विकास केन्द्र की स्थापना की गई है जिसका शुभारंभ दिनांक 25 जून, 2019 को जापान दूतावास के उच्च अधिकारी श्री कियोशी कुरियारा, विधायिका श्रीमती निर्मला सहरिया, अन्य जनप्रतिनिधि, युवाओं व क्षेत्र के अन्य गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में किया गया।

इस अवसर पर जापान दूतावास के श्री कियोशी कुरियारा ने अपने उद्बोधन में संस्था व क्षेत्र के लोगों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि इस कौशल विकास केन्द्र के माध्यम से क्षेत्र के युवा नए रोजगार से जुड़ सकेंगे।

इस अवसर पर संस्था के तत्कालीन निदेशक श्री मनीष सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि संस्था क्षेत्र में रोजगार सृजन हेतु लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में इस कौशल विकास केन्द्र के माध्यम से क्षेत्र के युवक–युवतियों को विभिन्न रोजगार परक प्रशिक्षण मुख्यत: इलेक्ट्रीशियन, खाद्य प्रसंस्करण, फीटर, कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिये जाएंगे।

कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रही विधायिका श्रीमती निर्मला सहरिया ने अपने उद्बोधन में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि

यह कौशल विकास केन्द्र शाहबाद क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। साथ ही उन्होंने इस कौशल विकास केन्द्र के सफल संचालन हेतु हरसंभव सहायता देने का भी आश्वासन दिया।

सतत् विकास लक्ष्यों के राज्य स्तरीय फोरम की बैठक

राजस्थान में सतत् विकास लक्ष्यों के प्रति जागरूकता हेतु वातावरण निर्माण करने हेतु गठित स्टेट लेवल फोरम ऑन सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स की बैठक सिकोईडिकोन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में श्रीमती अपर्णा सहाय, श्री नेसार अहमद, श्री गोपाल वर्मा, डॉ. शिप्रा माथुर, विभूति जोशी व डॉ. आलोक व्यास ने सतत् विकास लक्ष्यों पर राज्य में कार्य करने हेतु आगामी रणनीति पर विचार किया।

इस संदर्भ में सर्वसहमति से यह निर्णय लिया गया कि सतत् विकास लक्ष्यों पर जानकारी उपलब्ध करवाने हेतु सरल भाषा में दस्तावेज तैयार कर संस्थाओं, संगठनों व जनप्रतिनिधियों तक पहुँचाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त सरकार के साथ सतत् विकास लक्ष्यों पर लगातार संवाद स्थापित करते हुए विकास लक्ष्यों के प्रगति पर चर्चा के मंच बनाए जाने की ज़रूरत है।

ग्रांड सर्किल फाउण्डेशन के सहयोग से बने शौचालय

ग्रांड सर्किल फाउण्डेशन के वित्तिय सहयोग से चाकसू तहसील के गरूड़वासी पंचायत की राज़कीय बालिका विद्यालय व ठीकरिया गुज़रान के राज़कीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शौचालयों का निर्माण करवाया गया। इससे पूर्व फाउण्डेशन द्वारा उपरोक्त दोनों विद्यालयों में छात्र–छात्राओं के अध्ययन के लिए अध्ययन कक्ष का निर्माण भी करवाया जा चुका है।

ज़ैसलमेर में मरूस्थलीकरण पर प्री–कॉप का आयोज़न

यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन टू कोम्बेट डेज़र्टीफीकेशन के तहत कॉप–14 का आयोज़न भारत में सितम्बर माह में किया गया। दुनिया में बढ़ते मरूस्थलीकरण से जुड़ी चिंताओं व उनका सामना करने की रणनीतियों पर विचार–विमर्श करने हेतु आयोजित होने वाले इस वैश्विक सम्मेलन से पूर्व सिकोईडिकोन व मौसम द्वारा संयुक्त रूप से एक पूर्व तैयारी बैठक का आयोजन जैस़लमेर में 28 अगस्त, 2019 को दिया गया। इस बैठक का उद्देश्य राज़स्थान के थार मरूस्थल में ज़लवायु परिवर्तन की वज़ह से जैव़ विविधता, ज़ल व आज़ीविका की समस्याओं को चिन्हित करना व संभावित सुझावों को सरकार को प्रस्तुत करना था। बैठक में थार मरूस्थल क्षेत्र की विभिन्न संस्थाओं व ज़नसंगठनों ने भाग लिया व अपने विचार व्यक्त किए।

सतत् विकास लक्ष्यों पर क्षेत्रीय बैठकें

सतत् विकास लक्ष्यों के प्रति ज़ागरूकता व उन्हें अपनी कार्य योज़ना का हिस्सा बनाने के उद्देश्य से संस्था द्वारा राज़स्थान के विभिन्न क्षेत्रों में स्वयंसेवी संस्थाओं, मीडिया व जनप्रतिनिधियों के साथ क्षेत्रिय बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों में सतत् विकास लक्ष्यों की प्रक्रिया, मॉनिटरिंग व स्वैच्छिक संस्थाओं की भूमिका पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। बैठक में सतत विकास लक्ष्यों की भारत में प्रगति व उनके क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों पर भी विचार किया गया। यह बैठकें भरतपुर, झुंझनू व कोटा में आयोजित की गई।

उत्साह के साथ मनाया युवा दिवस

स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष में 12 ज़नवरी को युवा मंडल के साथियों द्वारा जोश व उत्साह के साथ युवा दिवस का आयोज़न किया गया। इस अवसर पर सिकोईडिकोन संस्था के चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद क्षेत्र में खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम व चर्चा–मंथन का आयोज़न किया गया, जिनमें युवा बालक बालिकाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद के ज़ीवन से जुड़े विभिन्न पक्षों पर चर्चा की गई व किसान सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा युवाओं को स्थानीय विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु प्रेरित किया।

वार्षिक बैठक – चिंतन–मंथन और श्रद्धेय शरदजी को श्रद्धांज़लि

प्रतिवर्ष की भाँति सिकोईडिकोन की वार्षिक बैठक 21 से 23 दिसम्बर, 2019 को आयोजित हुई। बैठक में संस्था के समस्त कार्यकर्ता व सामुदायिक संगठन के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। यह बैठक एक प्रकार का मंथन शिविर होता है, जिसमें संस्था की उपलब्धियों, चुनौतियों व भविष्य के अवसरों पर गंभीरता से विचार– विमर्श होता है। इस वर्ष अलग–अलग सत्रों में सामूहिक भागीदारी से संस्था के आगामी पाँच वर्षों की रणनीतिक योज़ना पर चर्चाएं की गई, जिसमें संस्था की ताकत, कमज़ोरियाँ, अवसर व संभावित खतरों पर विचार करते हुए भविष्य के मुद्दों को चिन्हित किया गया। बैठक में संस्था की विभिन्न परियोज़नाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

इसी कार्यक्रम में 23 दिसम्बर को सिकोईडिकोन संस्था के संस्थापक श्रद्धेय श्री शरद जोशी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृति में भज़न संध्या का आयोज़न किया गया। इस अवसर पर श्री शरद जी की स्मृति में एक पुस्तक का विमोचन किया गया, जिसमें श्री शरद ज़ी से जुड़ी स्मृतियों का संकलन किया गया है।

यू. एन. व नीति आयोग के सहयोग से किसानों के साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारत सरकार द्वारा जुलाई, 2020 में संयुक्त राष्ट्र संघ में सतत् विकास लक्ष्यों का प्रगति विवरण प्रस्तुत किया जाना है। इससे पूर्व नीति आयोग की पहल पर देश के विभिन्न प्रांतों में सतत् विकास लक्ष्यों पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों का आयोज़न किया गया ताकि अंतिम व्यक्ति की चिंताओं व मुद्दों को भारत सरकार की रिपोर्ट में समाविष्ट किया ज़ा सके।

इसी संदर्भ में किसानों व खेती से जुड़े विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की जिम्मेदारी सिकोईडिकोन संस्था को दी गई। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोज़न संस्था के स्वराज़ परिसर में 24 जनवरी को किया गया, जिसमें देश के 13 राज़्यों के किसान संगठनों, ज़नसंगठनों व विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में संयुक्त राष्ट्र संघ की भारत में क्षेत्रिय समन्वयक सुश्री रेनाटा व नीति आयोग से श्री सौम्या गुहा ने शिरकत की। किसान संगोष्ठी में छ: समानान्तर क्षेत्रों में महिला कृषकों, वर्षा आधारित खेती, पशुपालकों, भूमिहीन किसानों, बंटाई पर खेती करने वाले कृषकों व आदिवासी किसानों की चिंताओं व सिफारिशों पर विचार किया गया। यह राष्ट्रीय संगोष्ठी आशा, पैरवी, मौसम व वादा ना तोड़ो अभियान के सहयोग से आयोजित की गई।

खाद्य सुरक्षा की स्थिति पर अध्ययन

राजस्थान में खाद्य सुरक्षा की स्थिति का आँकलन करने के उद्देश्य से एक अध्ययन किया गया जिसमें खाद्य सुरक्षा की क्रियान्विति, सार्वजनिक वितरण प्रणाली की चनौतियों व खाद्य सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं तक लोगों की पहुँच में आ रही समस्याओं को शामिल किया गया है। इस अध्ययन में विभिन्न तथ्यों व आँकड़ों के आधार पर जिलेवार खाद्यान्न सुरक्षा की स्थिति को देखने का प्रयास किया गया है।

मिजेरियोर के शैक्षणिक दल का भ्रमण

अंतर्राष्ट्रीय दाता संस्था मिजीरियोर के शैक्षणिक दल का 22–23 अक्टूबर, 2019 को सिकोईडिकोन के कार्यक्षेत्र में भ्रमण कार्यक्रम हुआ। इस दल के सदस्य शिक्षक थे जिन्होंने चाकसू में संस्था के कार्यों का अवलोकन किया व महिला सहकारिता समिति एवं किसान सेवा समिति के सदस्यों से विकास के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान इस दल ने बापू गाँव में संस्था के प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के कार्यों को भी देखा। संस्था के कार्यकर्ताओं के साथ हुई बातचीत में सिकोईडिकोन के कार्यों के बारे में बताया गया।

छत्तीसगढ़ में जलवायु परिवर्तन पर क्षेत्रिय बैठक में भागीदारी

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन पर 24 सितम्बर को क्षेत्रिय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मध्य क्षेत्र की विभिन्न संस्थाओं व सरकारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सिकोईडिकोन संस्था की ओर से डॉ. आलोक व्यास ने 'जलवायु परिवर्तन का सामना करने में स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित सत्र में संदर्भ व्यक्ति के रूप में भाग लेते हुए स्वयंसेवी संस्थाओं व जनसंगठनों की कार्य योजना में जलवायु परिवर्तन को समाविष्ट करने की बात कही। इस राष्ट्रीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल व पंचायतीराज मंत्री ने विशिष्ट उद्बोधन दिया।

रक्षण परियोजना

मालपुरा विकास खण्ड के 20 गांवों में आई पार्टनर के सहयोग से संचालित रक्षण परियोजना के तहत बच्चों के लिए सुरक्षित एवं सहयोगात्मक वातावरण का निर्माण करने हेतु विभिन्न प्रयास किए गए। परियोजना में बाल पंचायतों के गठन एवं मजबूती के प्रयास किए गए। 10 गांवों में बाल पंचायतों के साथ सेटी ऑडिट की गई तथा पहचाने गए मुद्दों के समाधान हेतु प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखा गया। भीपुर गाँव की बाल पचांयत तथा शिक्षकों का एक दल मुम्बई भ्रमण पर गया। बाल दिवस पर 450 बच्चों के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। 20 गांवों की शाला प्रबंधक समितियों का आमुखीकरण करके उन्हें सशक्त करने के प्रयास किए गए।

10 ग्राम पंचायतों की ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समितियों का गठन किया गया तथा उन्हें सशक्त करने हेतु बैठकों का आयोजन किया गया। मालपुरा, भीपुर एवं जयसिंहपुरा में कम्प्यूटर केंद्रों की शुरूआत की गई। 28 बालिकाओं एवं 22 बालकों ने आरएस सीआईटी का पाठ्यक्रम पूरा किया। 64 बालक–बालिकाओं ने बेसिक कम्प्यूटर कोर्स किया। 60 बच्चों ने अंग्रेजी सीखने हेतु कम्प्यूटर सेंटर अटेंड किया। परियोजना के तहत 25 बालक–बालिकाओं ने आईसीआईसीआई स्किल एकेडमी से तीन माह का कोर्स पूरा किया तथा रोजगार से जुड़े। परियोजना में 10 स्वास्थ्य कैंपों का आयोजन किया गया।

आजीविका हेतु प्रयासों में 500 परिवारों को किचन गार्डन, 10 परिवारों को सब्जी प्रदर्शन एवं 100 परिवारों को फलदार पौधे लगाने हेतु सहायता दी गई। सिन्दोलिया में गरीब कृषकों हेतु सीड बैंक खोला गया। परियोजना में 14 से 18 वर्ष के 50 नट बालक–बालिकाओं को 10,000 रू. की छात्रवृत्ति दी गई। 30 नट युवा बालिकाओं को रूबरू संस्था द्वारा नेतृत्व प्रशिक्षण दिया गया। परियोजना के तहत 118 बालक–बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए स्टेट ओपन से परीक्षा की तैयारी करवाई गई।

यू एन एफ पी ए के सहयोग से संचालित परियोजना – बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

- **किशोरी बालिकाओं के साथ कार्यशाला**

जयपुर में किशोरी बालिकाओं के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सवाईमाधोपुर की बीस बालिकाओं ने भागीदारी करते हुए अपने अनुभव व्यक्त किए। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं कार्यक्रम से जुड़ने के बाद उनके जीवन में आए बदलाव के बारे में इन बालिकाओं ने अपने अनुभव रखे।

- **बाल विवाह पर आमुखीकरण**

बाल विवाह अभियान के तहत महिला अधिकारिता विभाग के सहयोग से ब्लॉक स्तरीय आमुखीकरण का आयोजन किया गया जिसमें सरकारी अधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बाल विवाह के पश्चात् लड़कियों के स्वास्थ्य व जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में जड़स्तरीय कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से उदयपुर संभाग के प्रतापगढ़ जिले में एक जागरूकता रैली जिला विधिक सेवा व महिला अधिकारिता विभाग के सहयोग से निकाली गई।

- **गर्ल फ्रेंडली पंचायतों में जागरूकता अभियान**

सवाईमाधोपुर की सात गर्ल फ्रेंडली पंचायतों में जागरूकता रैली, सामुदायिक बैठकों के माध्यम से जागरूकता अभियान संचालित किया गया ताकि लड़कियों के अधिकार व सुरक्षा के प्रति वातावरण निर्माण हो सके।

- **जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स की बैठक**

सवाई माधोपुर में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं के तहत किए गए विभिन्न कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई एवं ब्लॉक स्तरीय कार्य योजना की तैयारी की गई, जिसके तहत बालिका शिक्षा, कौशल विकास और बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण निर्माण से जुड़ी गतिविधियों को संचालित करने पर जोर दिया गया।

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त सवाई माधोपुर में कन्वर्जेंस बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों की सामूहिक कार्य योजना पर विचार किया गया।

संस्थागत विकास कार्यक्रम

- **जनसंगठनों की बैठकें**

किसान सेवा समिति महासंघ, किसान सेवा समिति व युवा मंडल की प्रतिमाह बैठकें आयोजित हुई। इन बैठकों में स्थानीय स्तर पर संगठनों द्वारा किए गए विकास कार्यों पर चर्चा हुई एवं विभिन्न स्थानीय मुद्दों जैसे– बिजली बिल की बढ़ोतरी, सड़क निर्माण, फसल खराबा, फसल बीमा आदि पर स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु रणनीति बनाई गई। बैठकों में संगठनों के आपसी समन्वय एवं दस्तावेजीकरण के सुधार पर चर्चा की गई।

- **जनसंगठनों का शैक्षणिक भ्रमण**

किसान सेवा समिति द्वारा 4 सितम्बर से 8 सितम्बर, 2019 तक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण के तहत आगरा, मथुरा व वृन्दावन होते हुए करीब 50 सदस्यों का दल फ़ैज़ाबाद स्थित पानी संस्था में पहुँचा। उत्तर प्रदेश के फैज़ाबाद में पानी संस्था द्वारा किए गए जल संरक्षण, सतत् कृषि व सामुदायिक कार्यों का अवलोकन किया व खेती के विभिन्न नवाचारों को समझने का प्रयास किया। इस दौरान पानी संस्था के कार्यकर्ताओं के साथ हुई बैठक में किसान सेवा समिति के प्रतिनिधि मंडल ने खेती–किसानी, जलवायु परिवर्तन व सतत् विकास पर अपने अनुभव साझा किए।

- **सरकारी योजनाओं पर पंचायत प्रतिनिधियों की कार्यशाला**

किसान सेवा समिति एवं सिकोईडिकोन द्वारा संस्था के शाहबाद स्थित परिसर में 16 मार्च, 2020 को नव– निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों व जन संगठनों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों को उनके अधिकार व कर्त्तव्यों की जानकारी देना व सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रति उन्हें जागरूक करना था। इस अवसर पर शाहबाद के उपखंड अधिकारी, विकास अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी व कृषि अधिकारी द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं व उनकी क्रियान्विति की जानकारी दी साथ ही सरपंचों की समस्याओं व जिज्ञासाओं के निराकरण का प्रयास किया गया।

- **शीर्ष संस्थाओं का क्षमतावर्धन**

सिकोईडिकोन द्वारा संस्थागत विकास कार्यक्रम के तहत शीर्ष संस्थाओं का क्षमतावर्धन कार्यक्रम शीलकी डूंगरी स्थित संस्था परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संगठनों की विकास के विभिन्न मुद्दों पर समझ विकसित करना व संगठनों के आपसी समन्वय को मज़बूत करना है। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में सतत् विकास, पंचायतों के सशक्तिकरण, दस्तावेजीकरण, आजीविका व जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर आपसी भागीदारी से विषय–विशेषज्ञों के साथ चर्चा की गई। इस अवसर पर विशेष सत्र में डॉ. शिप्रा माथुर द्वारा विकास की सफल कहानियों को रोचकपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया ताकि उन कहानियों से प्रेरित होकर स्थानीय विकास को मजबूती प्रदान की जा सके। संस्था के निदेशक श्री पी. एम. पॉल ने अपने उद्बोधन में संगठनों के प्रासंगिक बने रहने हेतु नवाचार व युवाओं को जोड़ने पर बल दिया। कार्यक्रम में युवा मण्डल के सदस्यों ने भी विकास की चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किए।

- **नव निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के साथ संवाद**

सिकोईडिकोन के कार्यक्षेत्र निवाई, मालपुरा व शाहबाद में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के साथ संवाद का आयोजन फरवरी व मार्च माह में किया गया। इस आयोजन में सिकोईडिकोन के कार्यों के बारे में बताते हुए जनसंगठनों व पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर विकास कार्यों को गति प्रदान करने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा किसान सेवा समिति व सिकोईडिकोन को स्थानीय विकास में हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया।

- **आजीविका सुरक्षा**

खाद्य सुरक्षा का एक महत्त्वपूर्ण अन्र्तसम्बन्ध आजीविका सुरक्षा से भी हैं। राजस्थान राज्य एक ऐसा राज्य है जहाँ के लोगों की आजीविका मुख्यत: कृषि पर आधारित हैं। किंतु वर्तमान में कृषि आधारित आजीविका संकट में है। इसका मुख्य कारण अपर्याप्त संसाधन व उपर्युक्त बाजार व्यवस्था के अभाव में कृषि उत्पादकता में सुधार नहीं हो पाना है। जलवायु परिवर्तन का भी कृषि उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है व इससे खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता और अन्तत: खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो रही है।

वर्तमान परियोजना में आजीविका व्यवस्थाओं और छोटे व सीमान्त कृषकों एवं अन्य पिछड़े व वंचित समूहों के जीवन स्तर में सर्वव्यापी सुधार लाने और उनके सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संस्था छोटे और सीमान्त किसानों को केन्द्र में रखकर सुस्थिर कृषि और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में सहयोग प्रदान कर रही है। कृषि एवं अन्य ग्रामीण आजीविकाओं को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का सामना करने में सक्षम बनाने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। संस्था द्वारा आजीविका सुरक्षा हेतु किये गए कार्यों का उद्देश्य निम्न हैं :–

1. जलवायु परिवर्तन जनित चुनौतियों का सामना करने हेतु स्थानीय क्षमता का विकास करना।
2. जलवायु परिवर्तन का सामना करने हेतु व्यवहारिक अनुकूलन क्रियाओं पर सोच विचार कर निर्णय लेने में समुदाय की सहायता करना साथ ही इसके उपायों पर भी सुदृढ़ वैज्ञानिक तकनीकी एवं सामाजिक– आर्थिक आधार पर विचार कर नीतियाँ बनाना।
3. उद्यमिता कौशलों को बढ़ाते हुए स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसरो में वृद्धि करना।

उक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु पिछले वर्षभर में निम्न गतिविधियाँ आयोजित की गई हैं :–

1. पंचायत स्तरीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन हेतु आयोजना तैयार करना।
2. पंचायत स्तरीय बायोडायवर्सिटी रजिस्टर का निर्माण करना।
3. जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए व्यवहारगत तरीकों को अपनाते हुए आजीविका सुरक्षित करना, जिसमें मुख्यत: कृषि आधारित आजीविका पर कार्य करते हुए आर्गेनिक खेती, वर्मी कम्पोस्ट, कम्पोस्ट पिट, कृषि बागवानी, किचन गार्डन एवं समन्वित कृषि के डिमोंस्ट्रेशन देना मुख्य हैं।

4. कृषि व गैर कृषि सम्बन्धित विभिन्न सरकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित करवाना।

5. गैर कृषि आधारित आजीविकाओं पर कार्य करते हुए युवा साथियों की क्षमताओं का उपयोग कर बेहतर तरीके से अपनी जीविकोपार्जन कर सकें। इस क्रम में युवाओं को विभिन्न ट्रेड की ट्रेनिंग मुख्यत: वेल्डिंग, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर, फिटर आदि ट्रेड की ट्रेनिंग दी जा रही है।

6. महिलाओं को विशेष रूप से शाहबाद क्षेत्र की महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित प्रशिक्षण प्रदान करना एवं साथ ही उनको बाजार की व्यवस्था से जोड़ना।

7. विभिन्न ऋण प्रदाता संस्थाओं से ऋण की उपलब्धता बढ़ाने हेतु कार्य करना। इस हेतु महिलाओं व उनके समूहों को विभिन्न ऋण प्रदाता संस्थाएं जैसे कि महिला कॉआपरेटिव से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

- **चाइल्ड लाइन, जैसलमेर**

जरूरतमंद बच्चों की सुरक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित चाइल्ड हैल्प लाइन 1098 का जैसलमेर केन्द्र सिकोईडिकोन द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस हैल्प लाइन के माध्यम से अप्रेल 2019 से जनवरी 2020 तक 7 बच्चों को चिकित्सा सहायता, 17 बच्चों को पुनर्वास, 55 बच्चों का पोषण से बचाव व 24 बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है। अभी तक कुल 166 जरूरतमंद बच्चों को चाइल्ड लाइन जैसलमेर द्वारा सहायता प्रदान की जा चुकी है।

केस स्टडी

रामदेवरा में मिली मासूम बच्ची

रामदेवरा मेले में सिकोईडिकोन संस्था द्वारा संचालित चाइल्ड लाइन (हैल्पलाइन) की डेस्क हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी लगी हुई थी। तभी इस बच्ची की सूचना चाईल्ड लाइन 1098 टीम को मिली, टीम द्वारा तरुन्त वहाँ पहुंचकर महिला पुलिस के साथ बच्ची को अपने संरक्षण में लिया गया। मेले में लगे सभी सूचना केन्द्रों पर बालिका के गुमशुदगी की सूचना दी गई। लेकिन जब इसके परिजनों का पता नहीं लग पाया तब ऐसी परिस्थिति में चाईल्ड लाइन टीम जैसलमेर द्वारा बच्ची को स्वास्थ्य जांच हेतु राजकीय अस्पताल पोकरण ले जाया गया, वहाँ बच्ची की स्वास्थ्य जांच करवाई गई। उसके पश्चात् चाईल्ड लाइन टीम ने उपखण्ड अधिकारी पोकरण से संपर्क कर केस की जानकारी दी व उनके आदेश पर टीम ने 108 (राजकीय एम्बुलेंस) की सेवा के माध्यम से बच्ची को जैसलमेर लाया गया। राजकीय अस्पताल में फिर से स्वास्थ्य जांच करवाई गई, जहां बच्ची को 2 दिन उपचार के बाद जोधपुर के उम्मेद अस्पताल रेफर किया गया, चाईल्ड लाइन टीम सदस्य के सहयोग से शिशु गृह के महिला सदस्य के साथ बच्ची को उम्मेद अस्पताल जोधपुर में भर्ती करवाया गया। बाल कल्याण समिति जोधपुर के आदेशानुसार बच्ची को शिशु गृह

जोधपुर की देखरेख में सुपुर्द किया गया। बच्ची की सेहत में सुधार होने पर पुन: बच्ची को बाल कल्याण समिति जैसलमेर को सुपुर्द किया गया उनके आदेशानुसार बच्ची को शिशु गृह जैसलमेर में प्रवेश दिलवाया गया जहां वर्तमान में बच्ची लक्ष्मी की देखरेख हो रही है। बच्ची स्वस्थ है एवं कारा संस्था के माध्यम से बालिका लक्ष्मी का दत्तक गृहण हेतु प्रक्रिया चल रही है, जिससे कि लक्ष्मी को एक बार पुन: माता–पिता का प्यार मिल पाये।

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, जैसलमेर

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र नियम एवं अनुदान योजना संशोधित 2017 के अन्तर्गत महिला सुरक्षा एवम् सलाह केन्द्र, जैसलमेर का संचालन सिकोईडिकोन संस्था के द्वारा एवं कार्यालय सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग जैसलमेर राजस्थान सरकार के सौजन्य से संचालित किया जा रहा है। महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र का उद्देश्य सामाजिक व पारिवारिक स्तर पर हिंसा से संरक्षण प्रदान कराये जाने में सहयोग देना है। नवम्बर माह 2019 से जनवरी 2020 तक महिला सुरक्षा केन्द्र में कुल 18 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें से 10 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है, 5 विचाराधीन हैं एवं 3 में एफआईआर की प्रक्रिया चल रही है।

जयपुर चाईल्ड डेवलपमेंट प्रोग्राम–2019

संस्था सिकोईडिकोन द्वारा चाईल्ड फण्ड इण्डिया के सहयोग से जयपुर चाईल्ड डवलपमेन्ट कार्यक्रम के तहत राजस्थान के जयपुर एवं अलवर जिले के 33 गांवो में समुदाय के समग्र विकास हेतु शिक्षा, आजीविका, बाल संरक्षण एवं सामुदायिक सहभागिता के मुद्दों पर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत् बच्चों, किशोर/किशोरियों, युवा, माता–पिता, समुदाय, पंचायती राज संस्थान, विभिन्न सरकारी विभागों के साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। परियोजना के तहत् निम्न गतिविधियाँ संचालित की गई –

- **पियर एजूकेटर चयन एवं प्रशिक्षण –**

किशोर/किशोरियां अपने प्रजनन स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्याओं को किसी के साथ साझा नहीं कर पाते, जिससे उनके मानसिक एवं शारीरिक स्वरूप पर प्रभाव पड़ता है। परियोजना क्षेत्र के 33 गांवों में 104 पीयर एजूकेटर का चयन कर उनका किशोर प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण आयोजित कर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षित पियर एजूकेटर अपने समुदाय एवं विद्यालयों में बैठकें आयोजित कर, किशोर/किशोरियों के स्वास्थ्य से सम्बन्धित मुद्दों पर जागरूक कर, समस्याओं के समाधान का प्रयास कर रही है।

- **युवा महोत्सव –**

परियोजना के पचकोड़िया क्षेत्र के युवाओं द्वारा 23 फरवरी को युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 210 युवाओं ने भाग लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आजीविका के मुद्दों पर चर्चा की साथ ही गांव के विकास हेतु युवा मण्डलों द्वारा किये जा रहे कार्यों के अनुभवों का आदान–प्रदान किया गया। संस्था कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में युवाओं को सम्बोधित किया तथा युवा मण्डलों द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। इस कार्यक्रम में सांभरलेक पचांयत समिति प्रधान श्रीमती बबली कँवर ने बालिकाओं की उच्च शिक्षा पर जोर दिया तथा युवाओं का आह्वान किया कि वह पंचायत बैठकों में ग्राम विकास के मुद्दों को सम्मिलित करवाये जिससे उनको ग्राम पंचायत विकास योजना में लिया जा सके। युवा महोत्सव में युवाओं ने नृत्य, संगीत, नाटक आदि कार्यक्रमों का आनन्द लिया।

- **सीख केन्द्र**

परियोजना के तहत 11 गांवो में सीख केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इन सीख केन्द्रों का पर बच्चों के खेल, कहानियां, कला, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं खेलों के माध्यम से तथा हिन्दी, गणित विषयों के अध्यापन के माध्यम से सीख के स्तर को बढ़ाने का प्रयास किया गया। सीख केन्द्रों पर नवाचार पद्धतियों का प्रयोग कर बच्चों की रोचकता एवं सहजता के साथ सीखने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

- **आजीविका संवर्धन हेतु सहयोग**

परियोजना के तहत् टपुकड़ा (अलवर) क्षेत्र के 20 परिवारों को मुर्गी पालन हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर सहयोग प्रदान किया गया। पचकोड़िया क्षेत्र के 6 परिवारों को बकरी पालन तथा 4 परिवारों को सिलाई कार्य हेतु सहयोग प्रदान कर आजीविका संवर्धन हेतु प्रयास किए गये, जिससे यह परिवार अपनी आजीविका में वृद्धि कर बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पोषण पर अतिरिक्त आय को खर्च कर बच्चों के विकास को सुनिश्चित कर सके।

- **युवा मण्डल एवं बाल समूह बैठकें**

परियोजना के 33 गांवों में युवा मण्डलों एवं बाल समूह बैठकों के माध्यम से युवाओं एवं बच्चों में लोकतान्त्रिक प्रक्रियाओं, संगठनात्मक सोच एवं नेतृत्व विकसित कर, विभिन्न विकास एवं बाल संरक्षण के मुद्दों पर समझ बढ़ा सके।

जीवन कौशल प्रशिक्षण

किशोरियों हेतु जीवन कौशल प्रशिक्षण का आयोजन कर दक्षता वृद्धि का प्रयास किया गया, जिससे किशोरियां अपनी क्षमताओं को समझ सके एवं अपने मुद्दों का उचित समाधान कर सके।

बाल विवाह रोकने हेतु अभियान

परियोजना के टपुकड़ा क्षेत्र के 13 गांवों में बाल विवाह रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें नाटक मंचन, गीत संगीत, हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से समुदाय को जागरूक किया गया।

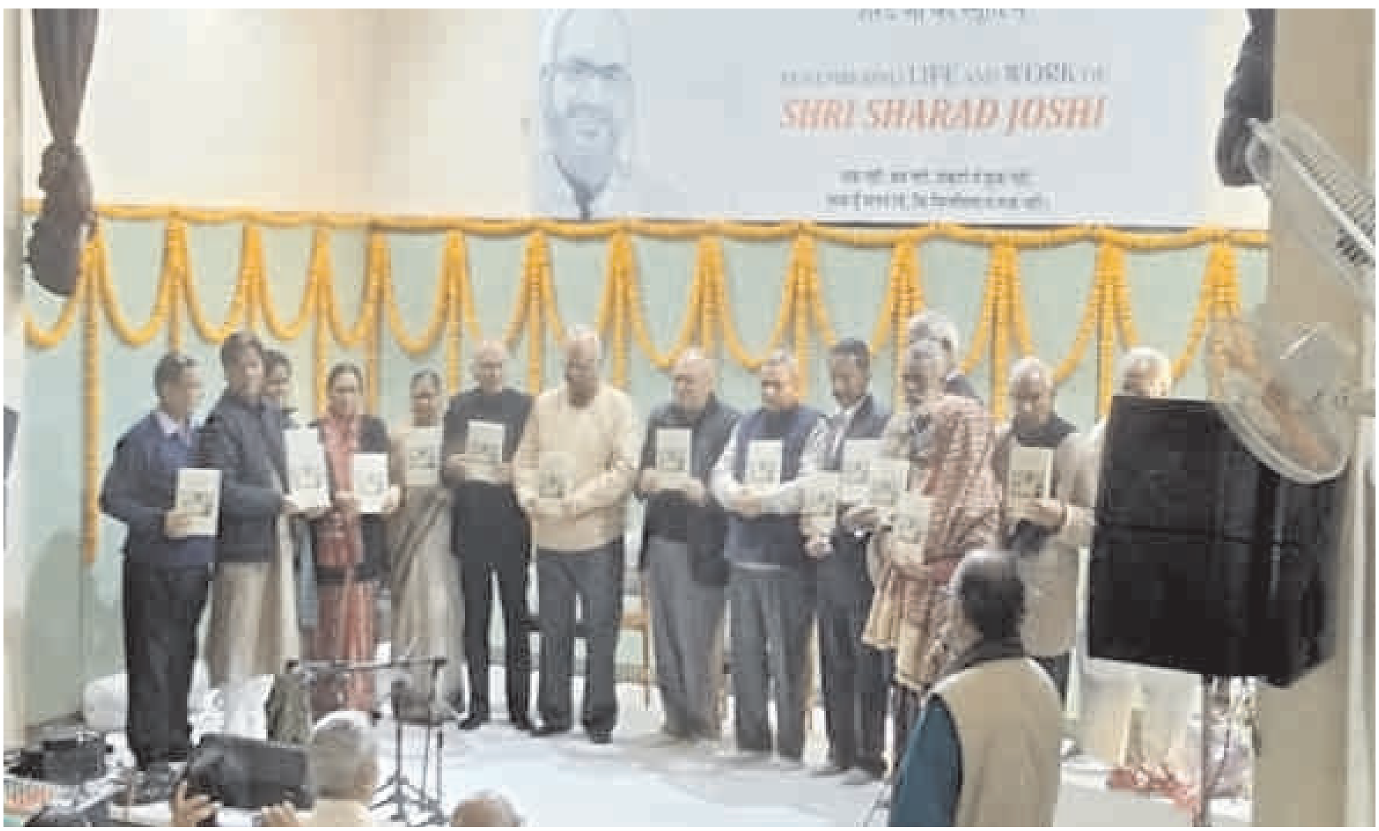
SHRI SHARAD JOSHI

संरक्षक : श्रीमती मंजू जोशी
संपादक : डॉ. आलोक व्यास
ग्राफिक्स : रामचन्द्र शर्मा व भँवरलाल जाट

BOOK POST

शैक्षणिक, सीमित व निजी प्रसार हेतु प्रकाशित :-

सेन्टर फॉर कम्यूनिटी इकोनोमिक्स एण्ड डेवलपमेंट कन्सलटैंट्स सोसायटी

स्वराज परिसर, एफ–159–160, औद्योगिक व संस्थागत क्षेत्र सीतापुरा, जयपुर–302022 (राज.)

फोन : 0141-2771488, 2771855, 2771937 फैक्स : 0141-2770330

ई–मेल : cecoedecon@gmail.com वेबसाईट : www.ceocedecon.org.in